



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यपालन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, २८ अगस्त, १९९३/६ भाद्रपद, १९१६

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-१७१००२, २९ जून, १९९३

संख्या ३० एक्स० एन०-एफ० (१५)-१/९२.—भारत के राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, १९९१ (१९९१ का १०) की धारा १७ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं।

१. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान नियम, १९९३ है।

२. परिभाषाएं.—(१) इन नियमों में, जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ में विरुद्ध न हो,—

(क) "अधिनियम" से हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, १९९१ अभिप्रेत है ;

(ख) "सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त" से अधिनियम की धारा ७ के अधीन सरकार द्वारा यथा नियुक्त जिला प्रभारी सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त अभिप्रेत है ;

(ग) "उप-आबकारी और कराधान आयुक्त" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन इस रूप में यथा नियुक्त अधिकारी अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत संयुक्त आबकारी और कराधान आयुक्त भी है जब इस पदनाम द्वारा तैनात किया जाएगा किन्तु इसके अन्तर्गत उप/संयुक्त आबकारी और कराधान आयुक्त (उड़न दस्ता) नहीं है।

(घ) "प्ररूप" से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;

(ङ) "समुचित सरकारी खजाना" से सरकार का खजाना या उप-खजाना अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत राज्य के अन्दर जिला में स्थित भारतीय स्टेट बैंक या स्टेट बैंक आफ पटियाला की कोई शाखा है ;

स्पष्टीकरण.—जब तक कि सरकार आदेश द्वारा अन्यथा निदेश न दे, स्टेट बैंक आफ पटियाला की शाखा केवल वहाँ जहाँ सरकार का खजाना या उप-खजाना या भारतीय स्टेट बैंक की शाखा न हो, सरकारी खजाना सगंभी जाएगी ;

(च) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ;

(2) ऐसे अन्य सब शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वे ही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं।

3. धारा 7 के अधीन प्रशासन के अधीक्षण और नियन्त्रण.—(1) आयुक्त, प्रशासन और अधिनियम के अधीन उत्प्रेषणीय कर के संग्रहण का अधीक्षण और अधिनियम या इन नियमों के अधीन सशक्त सभी अधिकारियों का नियन्त्रण करेगा।

(2) आयुक्त के नियन्त्रण के अधीन रहते हुए उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, अधिनियमों के अधीन नियुक्त और सशक्त किए गए अन्य सभी अधिकारियों और उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता में कार्य संचालन का नियन्त्रण रखेगा।

(3) उप-नियमों (1) और (2) के अधीन, सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या जिला का प्रभारी आबकारी और कराधान अधिकारी और चैक पोस्ट या बैरिडर का प्रभारी आबकारी और कराधान अधिकारी अपनी-अपनी अधिकारिता में, अधिनियम के अधीन नियुक्त अन्य सभी अधिकारियों और उनके अधीनस्थों का नियन्त्रण रखेंगे।

(4) उप-नियम (1), (2) और (3) के अधीन रहते हुए, सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या किसी जिला के प्रभारी आबकारी और कराधान अधिकारी के नियन्त्रण और निर्देशों के अध्याधीन, अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों को कार्यान्वित करने के कर्तव्य का उत्तरदायित्व अपने तैनाती स्थान पर कार्य संग्रहण के लिए नियोजित सभी निरीक्षकों और उनके अधीनस्थ अन्य व्यक्तियों पर होगा।

4. करों का संदाय और वसूली.—(1) इस अधिनियम के अधीन संवेय कर के संदाय के बारे में यथास्थिति, यांत्रिक यान, छकड़ा या पशु, जिसमें या जिस पर माल का वहन किया जाता है, के प्रभारी व्यक्ति द्वारा या माल के प्रभारी व्यक्ति द्वारा संवेय कोई रकम सरकारी खजाने में या उस जिला के कराधानक प्राधिकारी को जिसमें माल का वहन किया जाता है, संदेय की जाएगी।

(2) जब संदाय उस जिला के कराधानक प्राधिकारी को, जिसमें से माल का वहन किया जाता है, किया गया हो, के सिवाए अधिनियम की धारा 3 के अधीन संवेय कर के बारे में सभी संदाय प्ररूप "टी-2" में चालान द्वारा किए जाएंगे।

(3) चालान प्ररूप "टी-2" में चार प्रतियों में भरा जाएगा। चालान की एक प्रति खजाना द्वारा रखी जाएगी; एक प्रति खजाना अधिकारी द्वारा यथास्थिति, सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी और कराधान अधिकारी को भेजी जाएगी जहाँ से माल का वहन प्रारम्भ हुआ था और दो प्रतियाँ, यथास्थिति, यांत्रिक यान, छकड़ा या पशु के प्रभारी व्यक्ति जिसमें या जिस पर माल का वहन किया जाता है या माल के प्रभारी व्यक्ति को देय कर के संदाय के प्रमाणस्वरूप वापस की जाएगी।

(4) जब संदाय प्ररूप "टी-2" में चालान द्वारा किए गए हों, के सिवाय, अधिनियम की धारा 4 या धारा 5 की उप-धारा (4) और (5) या धारा 9 के अधीन कराधायक प्राधिकारी को किए गए सभी संदाय, यथास्थिति कराधायक, प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक द्वारा इस शर्त के अधीन रहते हुए प्राप्त किए जाएंगे कि ऐसा प्राधिकारी या प्रभारी निरीक्षक, यथास्थिति, यांत्रिक यान, छकड़ा या पशु के प्रभारी व्यक्ति जिसमें या जिस पर माल का वहन किया जाता है या माल के प्रभारी व्यक्ति से प्ररूप "टी-1" में विनिर्दिष्ट राशि प्राप्त करने के प्रमाणस्वरूप "टी-1" में उसे रसीद जारी करेगा। रसीद तीन प्रतियों में भरी जाएगी, जिसकी तीसरी प्रति, यथास्थिति, कराधायक प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक जिगने रसीद जारी की थी, द्वारा रखी जाएगी और जब संदाय उस जिला के अन्यथा प्राप्त किया गया हो जहां से माल का मूलतः वहन किया गया हो, उस दशा में उसके द्वारा दूसरी प्रति उत्तरवर्ती सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को सहायक आवकारी और कराधान आयुक्त अपने-अपने जिलों के प्रभारी आवकारी और कराधान अधिकारी जहां से मूलतः माल का वहन हुआ हो, को भेजी जाएगी और सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित मूल प्रति संदाय करने के प्रमाणस्वरूप पाने वाले को परिदत्त की जाएगी।

(5) चालक या माल का प्रभारी, व्यक्ति मांगे जाने पर, चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक, आवकारी और कराधान अधिकारी, सहायक आवकारी और कराधान आयुक्त या उप-आवकारी और कराधान आयुक्त या सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को अधिनियम के अधीन देय कर का संदाय किए जाने के प्रमाणस्वरूप प्ररूप "टी-1" में रसीद या प्ररूप "टी-2" में चालान की प्रति निरपवाद रूप से दिखाएगा।

(6) प्रत्येक यांत्रिक यान जो, राज्य के बाहर किसी स्थान से राज्य के बाहर किसी स्थान को किन्तु राज्य के भीतर से सड़क द्वारा या राज्य के भीतर किसी स्थान से राज्य के भीतर किसी स्थान को किन्तु अन्य राज्य के मध्यवर्ती राज्यक्षेत्र में से, माल वहन करने में वही माल परिदत्त करने के प्रयोजन से आवहन के अनुक्रम से राज्य में आने वाले किसी बैरियर को क्रॉस करता है, तो चालक या माल का प्रभारी व्यक्ति, ऐसे बैरियर या अन्य स्थान पर, यथास्थिति अधिनियम के अधीन देय कर का संदाय करने के प्रमाणस्वरूप प्ररूप "टी-1" में रसीद या प्ररूप "टी-2" में चालान की प्रति प्रस्तुत करेगा। ऐसी रसीद या ऐसा चालान प्रस्तुत किए जाने पर, बैरियर का प्रभारी, विनिर्दिष्ट रजिस्टर में प्ररूप "टी-16" में करेगा :

परन्तु ऐसी रसीद या ऐसा चालान, राज्य में किसी अन्य स्थान पर माल पड़ताल करने वाले आवकारी और कराधान विभाग के किसी अन्य अधिकारी, जो आवकारी और कराधान निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो के समक्ष भी प्रस्तुत किया जाएगा :

परन्तु यह और कि किसी ऐसे यांत्रिक यान, छकड़ा, पशु, या मानव या अन्य माध्यम को, उस स्थान से जहां उसका निरीक्षण किया गया है कर का संदाय किए बिना माल का वहन करने के लिए तब तक अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि माल वहन करने वाला कोई ऐसा यांत्रिक यान, छकड़ा, पशु या मानव या कोई अन्य माध्यम, उप-नियम (1) या (2) के अधीन कर का संदाय करने के पश्चात् माल उतरे बिना और उतने समय से अधिक का, जितना कि उस स्थान जहां से यात्रा प्रारम्भ हुई और उस स्थान तक जिस पर अधिनियम के अधीन निरीक्षण किया गया के बीच की यात्रा करने में आवश्यक हो उपभोग किए बिना चैक पोस्ट या बैरियर या निरीक्षण के अन्य स्थान पर नहीं पहुंचता है :

स्पष्टीकरण.—उस स्थान जहां से सड़क द्वारा यात्रा प्रारम्भ हुई और स्थान जिस पर निरीक्षण किया गया था के बीच की दूरी तय करने के लिए आवश्यक समय निम्नलिखित सारणी में दिए गए मापमान के

अनुसार संगणित किया जाएगा, अर्थात:—

सारणी

क्रम संख्या	दूरी	दूरी तय करने के लिए अनुज्ञात किया गया समय
1	2	3
(i) प्रथम 35 किलोमीटर के लिए		3 घण्टे
(ii) मैदानों में पश्चातवर्ती प्रत्येक 35 किलोमीटर के लिए		1 घण्टा
(iii) पहाड़ों में पश्चातवर्ती प्रत्येक 25 किलोमीटर के लिए		1 घण्टा

परन्तु यह और कि जहाँ माल का निरीक्षण करने वाले, यथास्थिति, कराधायक प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक, का समाधान हो जाता है कि यांत्रिक यान दूसरे परन्तुक से संलग्न स्पेटीकरण में विनिर्दिष्ट समय के भीतर यात्रा करने और उसे पूरी करने में, यान के चालक के नियन्त्रण से बाहर पर्याप्त कारणों से निवारित हुआ है उदाहरणतः मशीनरी का ठप्प हो जाना और भू-स्खलनों के कारण यातायात का बन्द रहना, इत्यादि, तो वह दूसरे परन्तुक के स्पेटीकरण में अन्तर्विष्ट स्तम्भ (3) में उप-वर्णित समय सीमा बढ़ा सकेगा और इस परन्तुक में किए गए आदेश में ऐसा करने के लिए कारण भी अन्तर्विष्ट होंगे।

5. धारा 9 के अधीन माल रोक, रखने के लिए प्रक्रिया.—(1) धारा 9 के अधीन माल रोक रखने वाला कोई कराधायक प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर का प्रभारी निरीक्षक, ऐसे रोकें गए माल का विवरण और परिमाण विनिर्दिष्ट करते हुए प्ररूप “टी-3” में माल के स्वामी या उसके प्रतिनिधि या चालक या माल के प्रभारी व्यक्ति को रसीद देगा और ऐसे व्यक्ति से अभिस्वीकृति अभिप्राप्त करेगा या यदि ऐसा व्यक्ति अभिस्वीकृति देने से इन्कार करता है, तो वह दो साक्षियों की उपस्थिति में इन्कार का तथ्य अभिलिखित करेगा।

(2) अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के अधीन प्रतिभूति बन्धपत्र और वैयक्तिक प्रतिभूति बन्ध-पत्र, क्रमशः प्ररूप “टी-4” और “टी-5” में अभिप्राप्त किए जाएंगे।

6 धारा 9 (2) के अधीन रोकें गए माल के व्ययन के लिए प्रक्रिया.—नियम 5 के उप-नियम (1) के अधीन रोकें गया और रोकें जाने के 24 घण्टों के भीतर निर्मुक्त नहीं किया गया माल, निम्नलिखित रीति में लोक नीलाम द्वारा बेचा जाएगा, अर्थात:—

- (1) कराधायक प्राधिकारी या प्रभारी निरीक्षक अपने कार्यालय के सूचना पट पर रोकें गए और बेचे जाने लिए आशयित माल की सूची, अपने हस्ताक्षर के अधीन वह स्थान और दिन और समय जब रोकें गया माल विक्रय होगा, विनिर्दिष्ट करने वाली सूचना के साथ प्रकाशित करवाएगा और ऐसी सूची और नोटिस की प्रतियाँ चैक पोस्ट या बैरियर या अन्य स्थान के निकट एक से अधिक सार्वजनिक स्थानों पर जहाँ पर माल रोकें गया था और वहाँ भी जहाँ वह विक्रय/नीलाम के लिए आशयित/संप्रदर्शित करेगा। सूची और सूचना की प्रतियाँ आवकारी और कराधान आयुक्त या जिला में अधिकारिता रखने वाले प्रभारी आवकारी और कराधान अधिकारी के कार्यालयों में भी

संदर्शित की जाएगी। सामान्यतः नीलामी से पूर्व विनश्चर माल की दशा में 3 दिन और अन्य दशाओं में 7 दिन का नोटिस दिया जाएगा।

(2) नीलामी, यथा स्थिति, कराधायक प्राधिकारी या बैंक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक द्वारा संचालित की जाएगी। आशयित बोली लगाने वाले, माल के प्राक्कलित मूल्य जो नीलामी संचालित करने वाले और नीलामी नोटिस में संदर्शित किए गए कराधायक प्राधिकारी या बैंक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक द्वारा अवधारित किया जाएगा की 10 प्रतिशत रकम अग्रिम धन के रूप में जमा जाएगा।

(3) नीलामी के लिए नियत दिन समग्र और स्थान पर माल का एक या अधिक लाट, जो नीलामी संचालित करने वाला कराधायक प्राधिकारी या बैंक पोस्ट या बैरियर का प्रभारी निरीक्षक उचित समझे, रखा जाएगा और सबसे ऊंची बोली लगाने वाले के पक्ष में बोली छोड़ दी जाएगी। नीलामी संचालित करने वाले कराधायक प्राधिकारी या बैंक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक को, सबसे ऊंची बोली को, यदि वह अवधारित किए गए प्राक्कलित मूल्य के नीचे हो, बिना कारणों के अस्वीकार करने का अधिकार होगा।

(4) जहां सबसे ऊंची बोली लगाने वाला, बोली छोड़े जाने पर अग्रिम धन की कटौती करने के पश्चात् पूर्ण रकम का संदाय करने में असफल रहता है, माल की नीलामी द्वारा तत्काल पुनः विक्रय किया जाएगा और व्यक्ति को सफल बोली लगाने वाले का अग्रिम धन, सरकार को समपहृत हो जाएगा असफल बोली लगाने वाले द्वारा जमा करवाया गया अग्रिम धन, नीलामी के समाप्त होने के तत्काल पश्चात् उसे प्रतिदाय किया जाएगा।

(5) कराधायक प्राधिकारी या बैंक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक द्वारा, ऐसे माल का विक्रय आगम, व्यय चुकाने के पश्चात् और कर की कटौती करने के पश्चात् यथास्थिति, माल के स्वामी या उसकी प्रतिनिधि या चालक या माल यान के प्रभारी व्यक्ति को संदत्त किया जाएगा। कटौती की गई कर की रकम सरकारी खजाने में "0045—वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर तथा शुल्क—800 अन्य प्राप्तियां—01 सड़क अधिनियम के अन्तर्गत वस्तुओं के बहन से प्राप्तियां"—शीर्ष के अधीन जमा करवाई जाएगी।

(6) उप-नियम (5) के अधीन जिस व्यक्ति को विक्रय आगम का संदाय किया जाना हो, उस दिन जब रोका गया माल व्ययन किया गया, संदाय प्राप्त करने से इन्कार करता है या यथास्थिति कराधायक प्राधिकारी या बैंक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक से कथित संदाय एकत्र करने में असफल रहता है, विक्रय आगम का बकाया सरकारी खजाने में "0045—वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर तथा शुल्क—800 अन्य प्राप्तियां—01, सड़क अधिनियम के अन्तर्गत वस्तुओं के बहन से प्राप्तियां" शीर्ष के अधीन, कथित व्यक्ति को सूचित करने के पश्चात् जमा किया जाएगा। ऐसे जमा की गई रकम का ऐसे व्यक्ति द्वारा इस निमित्त आवेदन करने पर उप-आबकारी और कराधान आयुक्त द्वारा प्रतिदाय की जाएगी।

7. धारा 12 के अधीन अपील के ज्ञापन का प्रस्तुतिकरण:—(1) प्रत्येक अपील—

- (क) लिखित रूप में होगी और स्टैंडर्ड वाटर मार्क जुडिशियल कागज पर लिखी जाएगी;
- (ख) में अपीलार्थी का नाम और पता विनिर्दिष्ट होगा;
- (ग) में आदेश की तारीख जिसके विरुद्ध यह की गई है विनिर्दिष्ट होगी;
- (घ) प्राधिकारी जिसके आदेश के विरुद्ध अपील की गई है विनिर्दिष्ट होगा;
- (ङ) तथ्यों का स्पष्ट कथन अन्तर्विष्ट होगा और अपील के आधार संक्षिप्ततः किन्तु स्पष्ट तौर उपवर्णित होंगे;
- (च) में मांगी गई राहत, संक्षिप्त रूप में वर्णित होगी; और

(छ) अपीलार्थी या उसके द्वारा लिखित रूप में इस निमित्त सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा निम्नलिखित प्ररूप में हस्ताक्षरित और सत्यापित होगी अर्थात् :—

“मैं उपरोक्त अपील के ज्ञापन में नामित अपीलार्थी द्वारा नियुक्त अभिकर्ता, एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि जो कुछ भी इसमें कथित है मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास से सही है।

.....
(हस्ताक्षर)”

(2) अपील का ज्ञापन के साथ उस आदेश की मूल प्रति जिसके विरुद्ध यह की गई है या उसको सम्पूर्ण रूप से अधिप्रमाणित प्रतिलिपि लगाई जाएगी जब तक कि ऐसे आदेश या प्रतिलिपि प्रस्तुत करने के समय अपील प्राधिकारी के समाधान के लिए आदेश या प्रतिलिपि प्रस्तुत न करने की भूल को स्पष्ट न किया गया हो।

(3) अपील का ज्ञापन, अपील प्राधिकारी को या तो अपीलार्थी या उसके अभिकर्ता द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा या रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा।

8. संक्षिप्त प्रतिक्षेपण.—(1) यदि अपील के ज्ञापन में नियम 7 के अधीन अपेक्षित विनिर्दिष्टों में से किसी का कथन न किया गया हो या उसके साथ आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है की मूलप्रति या अधिप्रमाणित प्रति संलग्न न हो तो अपील संक्षिप्ततः प्रतिक्षेपित की जा सकेगी :

परन्तु इस उप-नियम के अधीन कोई अपील संक्षिप्ततः—तब तक प्रतिक्षेपित नहीं की जाएगी जब तक कि अपीलार्थी को अपील के ज्ञापन को संशोधित करने का युक्ति युक्त अवसर न दिया जाए।

(2) अपील उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट आधारों से भिन्न आधारों पर भी संक्षिप्ततः प्रतिक्षेपित की जा सकेगी जिसे अपील प्राधिकारी पर्याप्त समझें और जो अपील प्राधिकारी द्वारा लेखबद्ध किए जाएंगे :

परन्तु इस उप-नियम के अधीन संक्षिप्त प्रतिक्षेपित करने वाला आदेश पारित करने से पूर्व अपीलार्थी को इस उप-नियम के अधीन सुनवाई का युक्ति युक्त अवसर दिया जाएगा।

9. सुनवाई.—(1) (क) यदि अपील प्राधिकारी अपील को संक्षिप्ततः प्रतिक्षेपित नहीं करता है तो वह इसकी सुनवाई की तारीख नियत करेगा। अपील सम्बन्धित कराधान्यक प्राधिकारी को सूचना देने के पश्चात् और किसी अभ्यावेदन जो इसके द्वारा वैयक्तिक रूप में या इसके किन्हीं भी अविनस्थों द्वारा या राज्य सरकार के प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा किया गया हो पर विचार करने के पश्चात् और अपीलार्थी को वैयक्तिक रूप में या सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् विनिश्चित की जाएगी। अपील प्राधिकारी अपील का विनिश्चय करने से पूर्व, जैसा कथित प्राधिकारी को आवश्यक प्रतीत हो, स्वयं ऐसी अतिरिक्त जांच कर सकेगा या प्राधिकारी जिसके विनिश्चय के विरुद्ध अपील की गई है द्वारा इसे करने का निदेश दे सकेगा।

(ख) अपील प्राधिकारी पर्याप्त कारणों के लिए किसी भी प्रक्रम पर सुनवाई उसी दिन भिन्न समय पर या किसी अन्य दिन को स्थगित कर सकेगा।

(2) यदि उस तारीख और सुनवाई के लिए नियत समय पर या किसी अन्य तारीख पर या किसी अन्य समय पर जिसके लिए सुनवाई स्थगित की जा सके, अपीलार्थी कथित प्राधिकारी का समझ स्वयं या अभिकर्ता द्वारा उपस्थित नहीं होता है तो कथित प्राधिकारी जैसा वह उचित समझें अपील को खारज कर सकेगा या एक पक्षीय विनिश्चय कर सकेगा :

परन्तु अपीलार्थी यदि उस तारीख से जब इस उप-नियम के अधीन अपील खारज या एक पक्षीय विनिश्चित की गई थी, तीन दिन के भीतर अपील प्राधिकारी को आदेश अपास्त करने के लिए आवेदन करता है और कथित प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि सुनवाई की तारीख की सूचना उसे सम्यक् रूप से तामील नहीं हुई थी या जब सुनवाई के लिए अपील को पुकारा हुआ था वह पर्याप्त कारण से उपस्थित होने में निवृत्त हुआ था, कथित प्राधिकारी ख रिजो या एक पक्षीय विनिश्चय को अपास्त करने वाला आदेश ऐसी शर्तों पर जैसी वह उचित समझे, करेगा और अपील की सुनवाई की आगे की कार्रवाई के लिए दिन नियत करेगा।

10. धारा 13 के अधीन पुनरीक्षण.— (1) आयुक्त, यथास्थिति, यान्त्रिक यान, छकड़ा या पशु के, जिसमें या जिस पर माल का वहन किया गया है प्रभारी व्यक्ति या माल के प्रभारी व्यक्ति, जिसके मामले में आदेश या कार्यवाही का पुनरीक्षण चाहा गया है, को पुनरीक्षण का नोटिस भिजवाएगा। पुनरीक्षण के नोटिस की प्रति कराधायक प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक, जिसके आदेशों या कार्यवाहियों का पुनरीक्षण चाहा गया है को भी भेजी जाएगी और उसे सुसंगत अभिलेख अपनी टीका-टिप्पणी के साथ ऐसे समय के भीतर जैसा अध्यापेक्षा में विनिर्दिष्ट किया गया हो, भेजने का निदेश देगा।

(2) उप-नियम (1) के अधीन अभिलेख और टिप्पणी प्राप्त होने पर या अध्यापेक्षा में विनिर्दिष्ट समय के भीतर कोई टीका-टिप्पणी प्राप्त न होने पर आयुक्त, यथास्थिति, यान्त्रिक यान, छकड़ा या पशु जिसमें या जिस पर माल वहन किया गया, के प्रभारी व्यक्ति या माल के प्रभारी व्यक्ति की सुनवाई के लिए प्रसन्न हो सकेगा और आदेशों या कार्यवाहियों को पुनरीक्षित कर सकेगा।

(3) आयुक्त किसी भी अवस्था पर कोई माध्य, जो वह पुनरीक्षण के निपटान के लिए आवश्यक समझे, मगवा सकेगा।

11. अधिक संदेय किए गए का प्रतिदाय.— (1) सम्बन्धित कराधायक प्राधिकारी को, यथास्थिति, यान्त्रिक यान, छकड़ा या पशु जिसमें या जिस पर माल वहन किया गया के प्रभारी व्यक्ति या माल के प्रभारी व्यक्ति द्वारा एक हस्तावेदन अधिक संदाय के प्रतिदाय के लिए किया जाएगा और स्पष्टता और संक्षिप्तता: वह आधार विनिर्दिष्ट किये जाएंगे जिन पर प्रतिदाय का दावा किया गया है।

(2) कराधायक प्राधिकारी प्रतिदाय के लिए आवेदन की प्रविष्टि प्ररूप "टी-6" में रखे गए रजिस्टर में करेगा।

(3) जहां कराधायक प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि प्रतिदाय देय है, वह प्रतिदाय मंजूर करने वाला एक आदेश अभिलिखित करेगा यदि प्रतिदाय की जाने वाली रकम एक हजार रुपए से अधिक नहीं है, प्ररूप "टी-7" में प्रतिदाय वाक्य जारी करेगा। यदि प्रतिदाय की जाने वाली रकम एक हजार रुपए से अधिक है, तो कराधायक प्राधिकारी, मामले का अभिलेख अपनी सिफारिशों के साथ सहायक आवकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आवकारी और कराधान अधिकारी को प्रस्तुत करेगा यदि अधिकारी जिसने कर अधिरोपित किया है सहायक आवकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आवकारी और कराधान अधिकारी का अधिनस्थ हो परन्तु उस दशा में जब अधिकारी जिसने कर या शास्ति अधिरोपित की है, सहायक आवकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आवकारी और कराधान अधिकारी है, मामले का अभिलेख अपनी सिफारिशों के साथ सम्बन्धित उप-आवकारी और कराधान आयुक्त को भेजेगा।

(4) सहायक आवकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आवकारी और कराधान अधिकारी या उप-आवकारी और कराधान आयुक्त यथास्थिति जिससे मामले का अभिलेख और सिफारिशें उप-नियम (3) के अधीन भेजी गई है, का समाधान हो जाता है कि प्रतिदाय देय है, प्रतिदाय मंजूर करने वाला एक आदेश अभिलिखित करेगा और प्ररूप "टी-7" में प्रतिदाय वाक्य जारी करेगा।

(5) यदि, यथास्थिति, यान्त्रिक यान, छकड़ा या पशु जिसमें या जिस पर माल का वहन किया गया था का प्रभारी व्यक्ति या माल का प्रभारी व्यक्ति उसके द्वारा सदेय किसी रकम के विरुद्ध समायोजन द्वारा संदाय की इच्छा करता है तो सम्बन्धित प्राधिकारी प्ररूप "टी-8" में प्रतिदाय आदेश जारी करेगा।

परन्तु प्रतिदाय समायोजन आदेश उसी प्राधिकारी द्वारा जारी किया जाएगा जो उप-नियम (3) में विनिर्दिष्ट रकम की सीमा के अनुसार प्रतिदाय मजूर करने को सक्षम है।

12. लेखा रखना व विवरणियाँ या प्रस्तुत करना.—(1) कराधायक प्राधिकारी और बैंक पोस्ट या बैरियर का प्रभारी निरीक्षक क्रमशः अपने-अपने कार्यालयों में प्ररूप "टी-9" से एक दैनिक संग्रहण रजिस्टर रखेंगे जिसमें अधिनियम के अधीन किए गए कर के प्रत्येक संदाय या निक्षेप की गई किसी अन्य रकम की विनिर्दिष्ट अभिलिखित की जाएगी।

(2) कराधायक प्राधिकारी के कार्यालय या बैंक पोस्ट या बैरियर पर संग्रहित कर या कोई अन्य रकम कराधायक प्राधिकारी द्वारा सरकारी खजाना में सप्ताह में दो बार जमा किया जाएगा :

परन्तु जब संग्रहित कर की रकम या कोई अन्य रकम एक हजार रुपए से अधिक हो वह उस दिन से अगले दिन जिस तारीख को संग्रहित रकम एक हजार से अधिक हुई, जमा की जाएगी।

(3) प्रत्येक खजाना अधिकारी, सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आबकारी और कराधान अधिकारी को अधिनियम और इन नियमों के अधीन पूर्ववर्ती मास में खजाना में जमा की गई रकम का विवरण, प्रत्येक मास के प्रथम सप्ताह के भीतर भेजेगा।

(4) प्रत्येक कराधायक प्राधिकारी और प्रभारी निरीक्षक, अधिनियम और इन नियमों के अधीन पूर्ववर्ती मास में खजाना में जमा की गई रकम का विवरण, सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आबकारी और कराधान अधिकारी को जिसमें कराधायक प्राधिकारी का कार्यालय और बैंक-पोस्ट या बैरियर स्थित हो प्ररूप "टी-10" में प्रत्येक मास के प्रथम कार्य दिवस को भेजेगा। सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या जिला का प्रभारी आबकारी और कराधान अधिकारी विवरणों का संचकन करेंगे और समेकित विवरणी प्रत्येक मास उसके समाप्त होने के पश्चात् दस दिन के भीतर उप-आबकारी और कराधान आयुक्त और आबकारी और कराधान आयुक्त को भेजेंगे।

13. नोटिस की तामील.—(1) अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन नोटिस निम्नलिखित रीति में तामील किया जाएगा :—

(क) नोटिस की प्रति प्रेषिती, को या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी अन्य अभिकर्ता को या उसके कारबार से सम्बन्धित उसके द्वारा नियमित रूप से नियोजित व्यक्ति को या उसके साथ निवास करने वाले किसी व्यक्ति पुरुष सदस्य को दस्ती परिदत्त करके; या

(ख) रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा :

परन्तु ऊपर कथित ढंगों में से किसी द्वारा ऐसी कोई सूचना तामील करने के प्रयत्न पर यदि सूचना जारी करने वाले प्राधिकारी के पास विश्वास करने के युक्ति युक्त आधार हों कि या तो प्रेषिती सूचना की तामील में बच रहा है या किसी अन्य कारण से जो ऐसे प्राधिकारी की राय में पर्याप्त है कि ऊपर वर्णित ढंगों में से किसी द्वारा भी सूचना की तामील नहीं हो सकती, कथित प्राधिकारी उसके लिए कारण अभिलिखित करने से पश्चात् प्रेषिती के कारबार के स्थान या कथित प्राधिकारी को ज्ञात अंतिम निवास या उस स्थान पर जहाँ प्रेषिती कारबार चलाता हुआ ज्ञात हुआ है या जहाँ प्रेषिती ने अपना अंतिम निवास या कार्यालय रखा है के किसी सहज दृश्य भाग पर सूचना की एक प्रति चिपका कर सूचना की तामील करवाएगा।

(2) उप-नियम (1) के अधीन सूचना की तामील करने वाला अधिकारी, सूचना की मूल प्रति, उस प्राधिकारी जिसने सूचना जारी की थी को रिपोर्ट सहित कि उसने सूचना की प्रति चिपकाई है और व्यक्ति का नाम और पता यदि कोई हो जिसने भवन जिसमें प्रेषिती का कारबार या निवास या कार्यालय का पता लगाया/पहचाना गया था और जिसकी उपस्थिति में प्रति चिपकाई गई थी पृष्ठांकित और उप-वर्णित करते हुए, वापस करेगा।

14. फीस.—(1) निम्नलिखित फीम कोर्ट फीम स्टाम्प में संदेय होगी :—

- (क) अधीन के शापन पर दम रूपए ;
- (ख) अभिलेख की प्रतियां प्राप्त करने के लिए आवेदन पर एक रुपया प्रति, प्रतिलिपि प्रति दस्तावेज ;
- (ग) अधिनियम या नियमों के अधीन राहत के लिए किसी प्राधिकारी को किसी अन्य आवेदन या यान्त्रिक पर एक रुपया प्रति, प्रतिलिपि प्रति, दस्तावेज ।

(2) किसी यान्त्रिक यान, छकड़ा या पशु जिममें या जिम पर माल का वहन किया गया का कोई प्रमारी व्यक्ति या माल का प्रमारी व्यक्ति या इनमें से किसी व्यक्तिओं द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता, सम्बन्धित प्राधिकारी को पांच रूपए के मूल्य के कोर्ट फीम से स्टाम्पित लिखित आवेदन करने पर, ऐसे प्राधिकारी द्वारा, कर या उक्त से वसूल किए किसी अन्य राशि के सम्बन्ध में रखे गए अभिलेख का निरीक्षण कर सकेगा । प्रत्येक अभिलेख या रजिस्टर के निरीक्षण के लिए पृथक् आवेदन किया जाएगा ।

(3) आवेदन पर संदत्त की गई पांच रूपए की कोर्ट फीम केवल निरीक्षण के प्रथम घण्टे के लिए ही होगी । प्रत्येक पश्चापवर्ती घण्टे या घण्टे के भाग के लिए पांच रूपए की अतिरिक्त स्टाम्प कोर्ट फीस पहले ही संदाय के तरीके द्वारा दी जाएगी । अगला कार्य दिवस पर अधूरे निरीक्षण को जारी रखने के लिए कोई नया आवेदन नहीं मांगा जाएगा ।

(4) यदि निरीक्षण किए जाने वाले दस्तावेज, किसी पूर्ववर्ती वर्ष से सम्बन्धित हैं तो प्रति आवेदन तलाश फीस, पांच रूपए की कीमत की स्टाम्प कोर्ट फीम वसूल की जाएगी ।

(5) उप-नियम (2) के अधीन किसी दस्तावेज का निरीक्षण करने के लिए हकदार व्यक्ति को, आवेदन करने पर, जिस पर निम्नलिखित मूल्य की स्टाम्प कोर्ट फीस लगी होगी, निम्नलिखित मापमान पर स्टाम्प कोर्ट फीस संदत्त करने पर, प्रति प्रदान की जाएगी :—

- (क) रजिस्टर में प्रत्येक प्रविष्टि के लिए एक रुपया ;
- (ख) किसी कराधायक प्राधिकारी द्वारा जारी की गई प्रत्येक सूचना के लिए दो रूपए ;
- (ग) अधिनियम या इन नियमों के अधीन किसी जांच में अभिलिखित प्रत्येक कथन या किसी अन्य दस्तावेज जिसकी प्रतियां देना सम्भव हो, के लिए तीन रूपए ;
- (घ) अधिनियम के अधीन कर या शास्ति अधिरोपित करने वाले प्रत्येक प्रतिकूल आदेश के लिए एक रुपया ; और
- (ङ) शास्ति, अपील या पुनरीक्षण के अन्य प्रत्येक आदेश के लिए तीन रूपए ।

(6) यदि दस्तावेज जिसकी प्रति उप-नियम (5) के अधीन प्रदान की जाती है, किसी पूर्ववर्ती वर्ष से सम्बन्धित है, तलाशी फीस प्रति आवेदन दो रूपए के मूल्य की स्टाम्प कोर्ट फीस के रूप में वसूल की जाएगी ।

(7) उप-नियम (5) के अधीन प्रदान की जाने वाली प्रति, सम्बन्धित कराधायक प्राधिकारी, अपील प्राधिकारी और पुनरीक्षण प्राधिकारी के कार्यालय में तैयार की जायेगी ।

15. निरसन और व्यवृतियां—(1) हिमाचल प्रदेश (कतिपय माल के वहन पर) कराधान नियम, 1976 एतद्वारा निरसित किए जाते हैं ।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, ऐसे निरसित नियमों के अधीन किए गए किसी आदेश सहित की गई कोई बात या कार्यवाही के उपबन्धों से संगत होने की सीमा तक इन नियमों के उपबन्धों के अधीन की गई समझी जाएगी ।

प्ररूप टी-1

संदाय रसीद

[नियम 4(4) देखिए]

भाग—अ

कयलिय का नाम जिला

पुस्तक संख्या तारीख

समय

1. यात्तिक यान, छकड़ा या पशु जिस में या जिस पर माल का वहन किया गया है, का रजिस्ट्रीकरण, यदि कोई हो या माल के प्रभारी व्यक्ति का नाम और पता
 2. (क) षषक का पूरा नाम और पता
 - (ख) प्रेषिती का पूरा नाम और पता
 - (ग) बोली लगाने वाले का पूरा नाम और पता
 3. वहन किए गए माल का विवरण
 4. वहन किए गए माल का भार या केसज/पटियों की संख्या
 5. (i) स्थान जहाँ से सड़क द्वारा माल का वहन किया गया
 - (ii) गन्तव्य स्थान
 - (iii) तय किए गए/किए जाने वाले कुल किलोमीटर
 6. (i) प्रभारित कर, रुपये
 - (ii) शस्ति/जुर्माना/नीलाम विक्रय धन/अग्रिम धन
- कुल रुपये

माल के प्रभारी व्यक्ति के हस्ताक्षर ।

कराधायक प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक के हस्ताक्षर ।

भाग—व

[रोके गए माल की धारा 9(2) के तहत की गई नीलामी बारे में रसीद]

1. माल के स्वामी/माल वहन करने वाले प्रभारी व्यक्ति का नाम और पता
2. रोके गए माल का विवरण
3. तारीख समय और रोके गए माल का स्थान
4. माल की नीलामी के आदेश की तारीख
5. (i) नीलामी किए गए माल का विक्रय आगम
- (ii) रोके गए माल की नीलामी पर उपगत व्यय
6. नीलामी पर उपगत व्यय पश्चात् कुल आगम
7. तय किए गए/तय किए जाने वाले कुल किलोमीटर
8. प्रभारित कर की रकम
9. माल के स्वामी या प्रभारी व्यक्ति को संदेय शेष रकम, यदि कोई हो

माल के प्रभारी व्यक्ति/स्वामी के हस्ताक्षर

कराधान प्राधिकारी/चैक पोस्ट या बैरियर
के प्रभारी निरीक्षक के हस्ताक्षर ।

अ, आ, इ या ई वर्ण

प्ररूप टी-2

चालान

[नियम 4 (2) देखिए]

कर का बीजक

खजाना में

उप-खजाना में

भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में

स्टेट बैंक पटियाला में

संदत्त किया गया और

सड़क द्वारा किलोमीटर की दूरी के लिए से तक ले जाये गए/ले जा रहे माल (वक्कों की संख्या/कि०ग्राम/परिमाण/मात्रा) के बारे में खजाना/उप खजाना/भारतीय स्टेट बैंक की शाखा या स्टेट बैंक पटियाला में बीजक के रूप में कर संदत्त किया जायेगा और लेखा शीर्ष "0045—वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर तथा शुल्क—800 अन्य प्राप्तियां—01 सड़क द्वारा माल के वहन अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्तियों के अधीन में जमा किया जायेगा ।

जिसके द्वारा निविदत यांत्रिक यान, छतड़ा या पशु, मानवीय या माल वहन के जितकी ओर से राशि किया गया कोई अन्य साधन जिस में या जिस पर माल लिए प्रयुक्त यान सदाय किया का वहन किया गया/किया जाना हो के संख्या-----
प्रभारी व्यक्ति का नाम और पता या माल के प्रभारी व्यक्ति का नाम और पता

1	2	3	4	5
		(i) कर, या		
		(ii) जुर्माना/नीलामी विक्रय धन/अग्रिम धन, या		
		(iii) शक्ति जमा करना-----		
		कुल		

तारीख-----19-----
प्राप्त की गई राशि । जमाकर्ता के हस्ताक्षर
खजाना लेखापाल खजाना अधिकारी
कोषाध्यक्ष उप-खजाना अधिकारी-----
खजाना की मोहर । भारतीय स्टेट बैंक या स्टेट बैंक आफ पटियाला का अभिकर्ता-----

टिप्पणी.--(पत्र "अ" खजाना द्वारा रखा जाएगा, "आ" सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आबकारी और कराधान अधिकारी को खजाना अधिकारी द्वारा भेजा जाएगा, और "इ" और "ई" जमाकर्ता को दिए जाएंगे ।)

प्ररूप-टी-3

[नियम 5(1) देखिए]

(रोके गए माल की दशा में, यथास्थिति, कराधान्यक प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक द्वारा माल के स्वामी या प्रभारी व्यक्ति के लिए रसीद का जारी किया जाना)

संख्या----- पुस्तक संख्या-----
बैरियर/चैक पोस्ट/कार्यालय का नाम----- जिला-----

1. माल के स्वामी या उसके प्रतिनिधि या चालक या माल के प्रभारी व्यक्ति का नाम और पता-----
2. यांत्रिक यान, छतड़ा, पशु, मानवीय साधन या किसी

अन्य साधन जिसमें या जिस पर माल का वहन

किया जा रहा है, का विवरण-----

3. रोके गए माल का विवरण-----

4. रोके गए माल को पाला-----

माल के स्वामी या उसके प्रतिनिधि या यांत्रिक

यान जिसमें माल वहन किया है के चालक या

या माल के प्रभारी व्यक्ति के हस्ताक्षर।

कराधायक प्राधिकारी या चैक पोस्ट या
बैरियर के प्रभारी निरीक्षक के हस्ताक्षर।

नारीव-----

(जहां माल का स्वामी या उसका प्रतिनिधि या चालक या माल का प्रभारी व्यक्ति रोके गए
माल की रसीद ग्रहण करने में इन्कार करता है) ।

1. कारण अभिलिखित करें, यदि कोई हो,-----

2. श्री-----जो माल का स्वामी या स्वामी का प्रतिनिधि या
यांत्रिक यान जिसमें माल वहन किया गया है का चालक या माल का प्रभारी व्यक्ति है, ने ऊपर
कथित विवरण और माल के रोके गए माल की रसीद निम्नलिखित की उपस्थिति में लेने से इन्कार
किया है-----

(1) (नाम) श्री-----

पता-----

(2) (नाम) श्री-----

पता-----

उक्त उल्लिखित माक्षियों के

नाम और हस्ताक्षर

कराधायक प्राधिकारी या चैक पोस्ट या
बैरियर के प्रभारी निरीक्षक के हस्ताक्षर।

1.-----

2.-----

प्ररूप टी-4

माल के स्वामी/चालक या माल, यान या छकड़ा या पशु/वेसल के प्रभारी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया
जाने वाला प्रतिभूति बन्ध-पत्र

[हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान नियम के नियम 5(2) देखें]

कराधेय प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक या हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा
कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1991 की धारा 9 के अधीन सशक्त अधिकारी के समक्ष।

199-----की संख्या :-----

-----यात्री ।

बनाम

हिमाचल प्रदेश राज्य-----प्रत्यार्थी।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और उनके उत्तरवर्ती और समनुदेशिनी के पक्ष में निष्पादित बन्ध पत्र।

करायेय प्राधिकारी या चैन पोस्ट या बैरियर (चैन पोस्ट या बैरियर का नाम) या हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1991 को धारा-----के अधीन सशक्त अधिकारी ने माल के स्वामी/चालक या माल-यान या बेसल के अन्य प्रभारी व्यक्ति को पर्याप्त जिनमें माल ले जाया गया है, प्रतिभूति प्रस्तुत करने के लिए निदेश दिए हैं, और ऐसे निदेशों के अनुसरण में, मैं/हम व्यक्तिगत रूप से, हिमाचल प्रदेश सरकार को-----रूपरे की राशि संदत्त करों का वचन देता हूँ/देते हैं और अपने वारिसों और विधिक प्रतिनिधियों को आबद्ध करता हूँ/करते हैं तथा-----रूपरे की राशि के संदाय के लिए इससे उपाबद्ध अनुसूची विनिर्दिष्ट सम्पत्ति को हिमाचल प्रदेश के राजपत्राल के नाम बंधन/प्रभारित करते हैं और प्रसंविदा करने हैं कि यदि उक्त अधिनियम के अधीन देय शक्ति या अन्य राशि संदत्त कर दी जाती है तो यह बन्धन पत्र शून्य और प्रभावहीन हो जाएगा, अन्यथा पूर्णतः प्रवृत्त और प्रभावी होगा।

साक्ष्यस्वरूप मैं/हमने-----में 1991 के-----

(स्थान)

पत्र के-----वें दिन को अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं और पौर जमा दी है।

अनुसूची

(बन्धक/प्रभारित सम्पत्ति का ब्यौरा दें)

ये विलेख इस बात का भी साक्षी है कि इसके अधीन बाध्यता धारी के दायित्व को, किसी प्रवृत्त या सरकार की भूल या उसके द्वारा दिए समय या दिखाए गए अनुग्रह के कारण या बाध्यता धारी के संविधान में किसी परिवर्तन के कारण जब बाध्यता धारी वैयक्तिक नहीं है, ह्रासित या उन्मोचित नहीं किया जायेगा।

यदि इन विलेखों पर कोई स्टाम्प शुल्क प्रमाण्य हो तो सरकार उसे वहन करने का कशर करती है।

इसके साक्ष्य स्वरूप बाध्यता धारी ने उपरलिखित तारीख को अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

ये विलेख अपने प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा निष्पादित करवा दिये हैं।

उपर्युक्त बाध्यता धारी ने निम्नलिखित की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए हैं।

1.-----

2.-----

बाध्यता धारी के हस्ताक्षर।

हिमाचल प्रदेश के राजपत्राल के लिए और उनकी ओर से, भारत के संविधान के अनुच्छेद 299(1) के अनुसरण में, समग्र रूप से प्राधिकृत अधिकारी का नाम और पद नाम द्वारा, हिमाचल प्रदेश सरकार के लिए और उसकी ओर से बंध पत्र स्वीकृत करने के लिए स्वीकार किया जाता है।

1.-----

2.-----

की उपस्थिति में। (अधिकारी का नाम और पदनाम)

साक्ष्य-----

1.-----हस्ताक्षर
----- (पूरा पता)

2.-----हस्ताक्षर

-----पूरा पता-----हस्ताक्षर

टिप्पणी--जब प्रतिभूति राशि 1000 रुपये से अधिक न हो प्रतिभूति बन्धक पत्र के साथ-----रुपये
के मूल्य के न्यायिकेतर स्टाम्प और जब 1000 रुपये से अधिक हो,-----रुपये
के मूल्य के न्यायिकेतर स्टाम्प लगाए जायेंगे।

प्ररूप टी-5

व्यक्तिगत/प्रतिभू बन्ध पत्र माल के स्वामी या उसकी ओर से उसके प्रतिनिधि या माल या जलयान के अन्य प्रभारी व्यक्ति द्वारा निष्पादित किया जाने वाला व्यक्तिगत बन्ध पत्र।

[हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान नियम का नियम 5(2) देखें।]

कराधेय प्राधिकारी या यथास्थिति चक पोस्ट या बैरियर का प्रभारी निरीक्षक या हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1991 की धारा 9 के अधीन सशक्त अधिकारी के समक्ष।

19-----की संख्या-----

-----यात्री।

बनाम

प्रत्यर्थी

हिमाचल प्रदेश राज्य-----

यह सबको ज्ञात हो कि मैं/हम----- (पूरा नाम)
रजिस्ट्रीकृत प्रमाण पत्र सं 0 सहित यदि कोई हो पूरा पता-----

(जिसे इसमें आगे सरकार कहा गया है, जिसके अन्तर्गत, जब तक कि सन्दर्भ से अपवर्जित या उसके विरुद्ध न हो, इसके कार्यालय के उत्तराधिकारी और समनुवैशिति भी है) हिमाचल प्रदेश सरकार के प्रति-----

-----रुपय (राशि अंकों में और उसके बाद अंकों में,
(जिसे इसके आगे उक्त धन राशि कहा गया है) सरकार के मांगने पर संदाय के लिए आवद्ध करते हैं।
करने के लिए मैं/हम मेरे/हमारे अपने-अपने प्रत्येक वारिस, निष्पादक, प्रशासक और स्थानीय प्रतिनिधियों को इस विलेख द्वारा आवद्ध करते हैं।

हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1991 (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) के अधीन उसके/उनके द्वारा देय कर/शास्ति के संपुचित भुगतान

और सभी हानि, लागत, व्यय जो सरकार को हुआ हो, उसकी सरकार को क्षतिपूर्ति करने या उक्त बद्ध के कमोशन, चूक या असफलता या दिवालियापन के कारण भंदन करने या उसके/उनके अधीन कार्य कर रहे किसी/किन्हीं, व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त अधिनियम के अधीन उपबन्धित या विहित समय, और रीति में ऐसे कर/शासित संदत्त करने को सुनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ, कराधानक प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक द्वारा उक्त बद्ध अवैधित हुआ है ;

अब उपर्युक्त लिखित बन्ध पत्र की शर्तों इस प्रकार है कि यदि उपर्युक्त बद्ध उसके/उनके उत्तराधिकारी, निष्पादक, प्रशासक और विधिक प्रतिनिधि या उसके/उनके अधीन या के लिए कार्य कर रहा कोई व्यक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन देय कर शास्ति की पूरी राशि का उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन सरकार द्वारा नियुक्त किसी अधिकारी की मांग पर अधिनियम द्वारा उपबन्धित या विहित रीति में, भुगतान कर देता है तो ऐसी मांग लिखित रूप में होगी और इसकी तामीज उक्त अधिनियम के अधीन उपबन्धित या विहित रीति में उक्त बद्ध व्यक्ति, उसके/उनके उत्तराधिकारी, निष्पादक, प्रशासक और उसके/उनके अधीन या के लिए कार्य कर रहे विधिक प्रतिनिधि को की जाएगी । जिसके लिए उक्त अधिनियम की धारा के अधीन उपरोक्त आवद्ध व्यक्ति कर/शास्ति के संदाय के लिए उत्तरदायी है सरकार को क्षतिपूर्ति करेगा, जो बद्ध व्यक्ति के या उसके/उनके अधीन या उसके/उनके लिए कार्य करने वाले किसी/किन्हीं व्यक्तियों के काम, चूक, व्यक्तिक्रम या दिवालियापन के कारण यह बाध्यता शून्य और निष्प्रभावी हो जायेगी अन्यथा वह पूरी तरह प्रवृत्त रहेगी और एतद्द्वारा यह और करार किया कि अधिनियम या उसके तद्धीन विहित नियमों के अधीन यदि उपरोक्त बद्ध व्यक्ति की मृत्यु/विभाजन/विघटन/परिसमापन होने पर या उसके उत्तरदायित्व समाप्त होने पर, उपर्युक्त घटना होने से एक वर्ष की अवधि तक किसी कर/शास्ति जो उपर्युक्त बद्ध व्यक्ति द्वारा संदेय है या जिसमें कोई क्षति, लागत या खर्च जो बद्ध व्यक्ति या किसी व्यक्ति या किन्हीं व्यक्तियों जो उसके/उनके अधीन है, उसके/उनके लिए कार्य करते हैं, उपर्युक्त बद्ध व्यक्ति के उत्तराधिकारी, निष्पादक, प्रशासक और विधिक प्रतिनिधि के किसी कार्य, चूक, व्यक्तिक्रम, असफलता या दिवालियापन के लिए सरकार ने ऋण दिया है, और जिसका उक्त अधिनियम या उसके तद्धीन विहित नियमों के अधीन उपर्युक्त बद्ध व्यक्ति की मृत्यु के पश्चात् उसकी सम्पत्ति के विभाजन/उसके विधिल्ल/विघटन या परिसमापन और अन्तिम रूप से बन्द होने पर, उसके/उनके दायित्व का प्रकटीकरण नहीं होगा, की वसूली के लिए, यह बन्ध पत्र, कराधान प्राधिकारी या चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक के पास रहगा । परन्तु सदव यथा उक्त किसी अधिकार कर/शास्ति हानि या क्षति वसूल करने के उपाय पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना सरकार इस बन्ध पत्र के अधीन देय राशि या उक्त अधिनियम के अधीन अधिरोपित जुमाना भू-राजस्व बकाया के रूप में वसूल कर सकेगी ।

इसके माक्षस्वरूप उक्त—

(पूरा नाम)

ने इस पर—

दिन—

मास—

वर्ष—

को अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं ।—उपर नामित

द्वारा—के समक्ष हस्ताक्षरित और परिदत्त किया गया

हस्ताक्षर—

प्रास्थिति ।

अः माक्षः—

औ

1. _____

_____ (पता सहित हस्ताक्षर) ।

2. _____

_____ (साक्ष्य सहित हस्ताक्षर) ।

प्रतिभू बन्ध पत्र

हम—

(प्रतिभूतियों के नाम और पूरे पते)

एतद्वारा उपर्युक्त बन्ध के लिए स्वयं को प्रतिभूति घोषित करने हैं और इसके द्वारा यह प्रत्याभूति देते हैं कि वह/वे वह सब कार्य करेगा जिसको उमने/उन्होंने अपने आपको बचन बंध किया है और उमका/उनके वह सब कार्य करने में चूक, व्यक्तिक्रम या असफल रहने की दशा में हम एतद्वारा संयुक्तः और पृथक्कतः हिमाचल प्रदेश सरकार को (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकार कहा गया है, जिसके अन्तर्गत, जब तक कि सन्दर्भ में अपवर्जित या उसके विरुद्ध न हो, इसके कार्यालय के उत्तराधिकारी और समनुदेशित भी है) सरकार को—

—रुपये की राशि (राशि अंकों में लिखे जाने के बाद शब्दों में लिखी जाएगी) समपहृत करने के लिए आवद्ध करते हैं। (जिसे इसमें आगे उक्त धन राशि कहा गया है) जिसके लिए या ऐसी अन्य कम राशि के लिए उपर्युक्त आवद्ध व्यक्ति ने स्वयं को आवद्ध किया है, जिसे कर प्राधिकारी या बैंक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक ने उपर्युक्त बन्ध व्यक्ति द्वारा देय कर/शास्ति की किसी राशि को वसूल करने के लिए और बकाया असमादत और जिसे उसकी ऐसी चूक, व्यक्तिक्रम या असफलता के कारण सरकार को क्षति, नुकसान, हानि के लिए लागत देनी पड़ी या व्यय करना पड़ा है, को भी वसूल करने के लिए लिखित रूप में माना है।

और हम सहमत हैं कि सरकार अपने वसूली के किसी अन्य अधिकारी और उपाय पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना हम से संयुक्तः या पृथक्कतः उक्त राशि भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूल कर सकेगी।

और हम इस बात पर भी सहमत हैं कि हम में से कोई भी इस प्रतिभूतब को समाप्त करने के लिए स्वतन्त्र तक कि वह अपने इस आशय के बारे में कराधान प्राधिकारी या बैंक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी निरीक्षक को लिखित रूप में 6 मास का अग्रिम नोटिस नहीं देता है और हमारा किये गये सभी कार्य, चूक, व्यक्तिक्रम, असफलता और दिवालियापन के बारे में संयुक्त तथा पृथक् दायित्व जारी रहेगा जब तक कि इस 6 मास की अवधि समाप्त नहीं हो जाती है।

प्ररूप टी—6

प्रतिदाय के लिए आवेदन का रजिस्टर

[नियम 11(2) देखें]

वर्ष—

जिला—

1. क्रम संख्या—
2. आवेदक के नाम और पता—
3. यांत्रिक यान की रजिस्ट्रीकरण संख्या, यदि कोई हो—
4. प्रतिदाय के लिए आवेदन की तारीख—
5. कर या शास्ति अधिरोपित करने वाले आदेश की तारीख या जहां अपील की गई हो, अपील प्राधिकारी द्वारा आदेश पारित करने की तारीख—
6. अवधि जिसके लिए प्रतिदाय का दावा किया गया है—
7. आवेदित प्रतिदाय को रकम—
8. राशि यदि कोई हो जिसमें प्रतिदाय के आदेश किए गए हैं—
9. प्रतिदाय संजूर करने वाले अधिकारी का नाम और पदनाम—
10. प्रतिदाय का ढंग—

11. प्रतिदाय वाउचर या प्रतिदाय समायोजन आदेश जारी करने की संख्या और तारीख
12. आदेश जारी करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर
13. भुनाने की तारीख
14. टिप्पणियाँ

प्ररूप टी-7

प्रतिदाय वाउचर
[नियम 11(3) देखें]

पुस्तक संख्या-----वाउचर सं०-----पुस्तक संख्या-----वाउचर संख्या-----

हिमाचल प्रदेश सरकार
प्रतिदाय आदेश

प्रतिदाय आदेश

कर या शास्ति के प्रदाय के लिए आदेश।

कर या शास्ति के प्रतिदाय के लिए आदेश।

-----को देय प्रतिदाय
प्ररूप टी-1 में रसीद या प्ररूप टी-2

जारी किए गए की तारीख से तीन मास के भीतर
भारतीय स्टेट बैंक/स्टेट बैंक पटियाला में संदेय।

चालान----- (संख्या)
वसूल किया गया कर/शास्ति
(संख्या और तारीख)

तारीख जिसके अन्तर्गत प्रतिदाय का आदेश दिया
दिया गया है।

भारतीय स्टेट बैंक/स्टेट बैंक पटियाला के प्रभारी
अधिकारी को

प्रतिदाय की राशि-----

रकम के संग्रहण जिसके बारे में प्रतिदाय किया है को
दर्शाने वाले दैनिक संग्रहण रजिस्टर की संख्या-----

जमा की गई कुल रकम जिसमें से प्रतिदाय के आदेश
दिया गया।

1. प्रमाणित किया जाता है कि कर/शास्ति प्ररूप
"टी-1" में रसीद या
प्ररूप "टी-2" में चालान-----
(संख्या और तारीख)
कर/शास्ति के सन्दर्भ में वसूल किया गया/की गई।
2. प्रमाणित किया जाता है कि कर/शास्ति जिसके बारे
में प्रतिदाय का आदेश है खजाना में-----

कराधान्यक प्राधिकारी/सहायक आवकारी और करा-
धान आयुक्त या जिला के प्रभारी आवकारी और करा-
धान अधिकारी/उप आवकारी और कराधान आयुक्त
के हस्ताक्षर-----

को शीर्ष-----के अधीन
जमा किया गया।

3. प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत राशि के बारे
में पहले प्रतिदाय आदेश जारी नहीं किया गया और
प्रतिदाय का यह आदेश प्रतिदाय के आवदन क
रजिस्टर में मेरे हस्ताक्षर के अधीन प्रविष्ट किया
गया।

वाञ्छित के प्राप्तिकर्ता के हस्ताक्षर -----

4. कृपया उक्त प्रदाय के फलस्वरूप श्री -----

(दावेदार का नाम)

को ----- रूप का राशि
संदत्त की जाए।

भारतीय स्टेट बैंक/स्टेट बैंक पटियाला में भुनाने की
तारीख -----

स्थान -----

तारीख -----

टिप्पणी. -- दोहरे संदाय को रोकने के लिए दैनिक
संग्रहण रजिस्टर में टिप्पणी की गई है।

(मोहर सहित हस्ताक्षर)
कराधायक प्राधिकारी/सहायक आवकारी
और कराधान आयुक्त या जिला प्रभारी
आवकारी और कराधान अधिकारी/
उप-आवकारी और कराधान आयुक्त।

(मोहर सहित हस्ताक्षर)

कराधायक प्राधिकारी/सहायक आवकारी और करा-
धान आयुक्त तथा जिला का प्रभारी आवकारी और
कराधान अधिकारी/उप-आवकारी और कराधान
आयुक्त।

----- रूप का
संदाय प्राप्त किया।

दावेदार के हस्ताक्षर -----
बैंक के प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर -----

तारीख -----

तारीख -----

प्ररूप टी-8

प्रतिदाय समायोजन आदेश

[नियम 11 (5) देखें]

पुस्तक संख्या -----

प्रतिदाय वाञ्छित सं० -----

सेवा में,

प्ररूप टी-9 में दैनिक संग्रहण रजिस्टर की तारीख और पृष्ठ संख्या यांत्रिक यान, छकड़ा या पशु जिसमें या
जिस पर माल ले जाया गया के प्रभारी व्यक्ति या माल के प्रभारी व्यक्ति ----- (नाम),
के कर/शास्ति संदाय अभिलेख के संन्दर्भ में प्रमाणित किया जाता है कि रु० -----
रु० ----- (अंकों में) -----
----- रूप (शब्दों में) का प्रतिदाय -----
----- (नाम) को देय है।

(2) प्रमाणित किया जाता है कि कर/शास्ति जिससे सम्बन्धित प्रतिदाय अनुमत्त किया गया है, खजाना में जमा दिया गया है।

(3) प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत राशि के विषय में कोई प्रतिदाय वाञ्छित पहले प्रदान नहीं किया गया है और प्रतिदाय समायोजन का यह आदेश रजिस्टर में मेरे हस्ताक्षर के अधीन प्रविष्ट किया गया है।

(4) यह प्रतिदाय उक्त व्यक्ति द्वारा तारीख _____ को सड़क द्वारा _____ से _____ (किलोमीटर तक ले जाए जान वाला) _____ माल (भार, मात्रा और मूल्य/परिमाण) के लिए उससे देय कर/शास्ति की राशि में समायोजित किया जाएगा।

(5) ऊपर नामित व्यक्ति यह आदेश _____ तारीख को _____ संख्या, यदि कोई हो यांत्रिक यान, छकड़ा या पशु पर ले जाए जाने वाले उपरोक्त माल के साथ रखेगा।

हस्ताक्षर _____

कराधानक प्राधिकारी/सहायक आवकारी और
कराधान आयुक्त या जिले का प्रभारी आवकारी
और कराधान अधिकारी/उप-आवकारी और
कराधान आयुक्त।

आदेश पर हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकारी की
मोहर।
तारीख।

प्ररूप टी-9

दैनिक संग्रहण रजिस्टर

[नियम 12 (1) देखें]

कार्यालय का नाम _____ जिला _____

तारीख	यांत्रिक यान, छकड़ा या पशु, जिस में या जिस पर माल वहन किया गया, के प्रभारी व्यक्ति या माल के प्रभारी व्यक्ति का नाम और पता	प्ररूप टी-1 में संदाय की रसीद या प्ररूप टी-2 में चालान की संख्या और तारीख
1	2	3

यांत्रिक यान, छकड़ा या पशु जिस में या जिस पर माल का वहन किया गया, की रजिस्ट्रीकरण संख्या, यदि कोई हो	वहन किए गए माल का विवरण	वहन किए गए माल का भार या कैंसों/बक्सों की संख्या
--	-------------------------	--

4

5

6

कर	शास्ति	कुल	खजाना में जमा की गई राशि और खजाना चालान संख्या और तारीख	टिप्पणियां
7	8	9	10	11

प्ररूप टी-10 में रजिस्टर

[नियम 4(6) देखें]

क्रम संख्या	प्रेषक का नाम	प्रेषिती का नाम	चालाक का नाम और यांत्रिक यान की संख्या	चैक पोस्ट या बैरियर पार करने का समय या निरीक्षण का स्थान	माल का विवरण
1	2	3	4	5	6

माल का भार/- मात्रा	माल का मूल्य	सदात्त किए गए या शास्ति की राशि	जिला स्थान और चैक पोस्ट या प्रवेश/निकास के बैरियर के नाम सहित प्ररूप टी-1 में रसीद या प्ररूप टी-2 में चालान (संख्या और तारीख)	टिप्पणी
7	8	9	10	11

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
वित्तायुक्त एवं सचिव ।

i-2.
या ।

[Authoritative English text of Government Notification No. EXN-F(15) 1/92, dated 29th June, 1993 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 29th June, 1993

No. EXN-F(15)-1/92.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1991 (Act No. 10 of 1991), the President of India is pleased to make the following rules for carrying out the purposes of the said Act, namely:—

1. *Short title.*—These rules may be called the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Rules, 1993.

2. *Definitions.*—(1) In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context,—

- (a) "Act" means the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1991;
 - (b) "Assistant Excise and Taxation Commissioner" means the Assistant Excise and Taxation Commissioner Incharge of the district appointed as such by the Government under section 7 of the Act;
 - (c) "Deputy Excise and Taxation Commissioner" means the officer appointed as such by the State Government under Section 7 of the Act and shall also include the Joint Excise and Taxation Commissioner whenever posted by that designation but shall not include the Deputy/Joint Excise and Taxation Commissioner (Flying Squad);
 - (d) "Form" means a Form appended to these rules;
 - (e) "Government Treasury" means a treasury or sub-treasury of the Government and includes a branch of the State Bank of India or a branch of the State Bank of Patiala situated in the district within the State;
- Explanation.*—Unless the Government by order otherwise directs, the branch of the State Bank of Patiala shall be deemed to be the Government treasury only where there is treasury or sub-treasury of Government or a branch of the State Bank of India.
- (f) "section" means a section of the Act.

(2) All other words and expressions used in these rules but not defined therein shall have the same meanings as are assigned to them under the Act.

3. *Superintendence and control of the administration under section 7.*—(1) The Commissioner shall superintend the administration and the collection of tax leviable under the Act and shall control all officers empowered under the Act or these rules.

(2) Subject to the control of the Commissioner, the Deputy Excise and Taxation Commissioner shall control all other officers appointed and empowered under the Act and working in their respective jurisdictions.

(3) Subject to sub rules (1) and (2), the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer Incharge of the district and the Excise and Taxation Officer Incharge of the Check-post or barrier shall control all other officers appointed under the Act and their subordinates within their respective jurisdictions.

(4) Subject to sub-rules (1), (2) and (3), all Inspectors and other persons subordinate to them employed for the collection of the tax at their places of posting are charged with the duty of carrying out the provisions of the Act and these rules, subject to the control and directions of the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer Incharge of the district.

4. (1) *Payment and recovery of tax.*—Any amount payable by a person incharge of the mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods are carried or the person-in-charge of the goods, as the case may be, in respect of tax payable under the Act shall be paid, into the Government Treasury or, to the taxing authority of the district through which the goods are carried.

(2) Except when the payment is made to the taxing authority of the district through which the goods are carried, all payments in respect of tax payable under section 3 of the Act shall be made in a challan in Form 'T-2'.

(3) Challan in Form 'T-2' shall be filled in duplicate. One copy of the challan shall be retained by the treasury, one copy shall be sent by the Treasury Officer to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer Incharge of the district, as the case may be, wherefrom the goods carried originated and two copies shall be returned to the person-in-charge of the mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods are carried or the person-in-charge of the goods, as the case may be in token of the proof having paid the due tax.

(4) Except when the payments are made by means of a challan in Form 'T-2' all payments made to the taxing authority either under section 4 or under sub-sections (4) and (5) of section 5 or under section 9 of the Act, shall be received by the taxing authority or Inspector-in-charge of a check post or barrier, as the case may be, subject to the condition that the such authority or Inspector-in-charge shall issue a receipt in Form 'T-1', in token of the proof of having received the amount specified therein from the person-in-charge of the mechanical vehicle, cart, or animal in or on which the goods are carried or from the person-in-charge of the goods, as the case may be. The receipt shall be filled in triplicate, the third copy of which shall be retained by the taxing authority or Inspector-in-charge of the check post barrier, as the case may be, who issued the receipt, and in case the payment is received otherwise than in the district from where the goods were carried originally, the second copy shall be sent by him, on every Monday following the week, to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer Incharge of the respective district wherefrom the goods were carried originally and the original copy will be delivered to the payee, duly signed, in token of the proof of having made the payment.

(5) The driver or the person-in-charge of goods shall invariably show to the Inspector-in-charge of the check post or barrier, Excise and Taxation Officer, Assistant Excise and Taxation Commissioner or Deputy Excise and Taxation Commissioner, or any other officer authorised by the Government, on demand the receipt in Form 'T-1' or the copy of challan in Form 'T-2' in token of the proof of having paid the tax due under the Act.

(6) Every mechanical vehicle carrying the goods from any place outside the State to any place outside the State but by road within the State, or from any place within the State to any other place within the State but through the intervening territory of another State, crosses any barrier falling in the course of transit within the State for the purpose of delivering the same goods, the driver or the person-in-charge of the goods shall produce at such barrier or other place the receipt in Form 'T-1' or a copy of the challan in Form 'T-2', as the case may be, in token of having paid the tax due under the Act. On the production of such receipt for such challan, the incharge of the barrier will make an entry of the particulars in register in Form 'T-10'.

Provided that such receipt and such challan shall also be produced before any other officer of the Excise and Taxation Department but not below the rank of an Excise and Taxation Inspector checking the goods at any other place within the State :

Provided further that no such mechanical vehicle, cart, animal or human or other agency shall be allowed to carry the goods without payment of tax, from the place at which it is inspected, unless any such mechanical vehicle, cart, animal, or human or any other agency, carrying the goods after making the payment of tax under sub-rules (1) and (2), reaches the check post or barrier or other place of inspection without un-loading the goods and without consuming more time than what is necessary in undertaking the journey between the place from where the journey commenced and the place at which the inspection under the Act was made:

Explanation.—The time necessary for covering the distance between the place from where the journey commenced by road and the place at which the inspection was made shall be calculated at the scale given in following table, namely:—

TABLE

Serial No.	Distance	Time to be permitted for covering the distance
1	2	3
(i)	for the first 35 k.m.	3 hours
(ii)	for every subsequent 35 kilometre in plains	1 hour
(iii)	for every subsequent 25 kilometre in hills	1 hour

Provided further that where the taxing authority or the Inspector-in-charge of a check post or a barrier, as the case may be, inspecting the goods is satisfied that the mechanical vehicle was prevented to undertake and complete the journey within the time specified in the Explanation appended to in second proviso, for sufficient reasons beyond the control of the driver of the vehicle e.g. break-down of the machinery and closures of traffic on account of landslides etc., he may increase the time limit set out in coloumn (3) of the Table contained in the Explanation to the second proviso and the order made under this proviso shall also contain the reason for making the same.

5. Procedure for detention of goods under section 9.—(1) Any taxing authority or the Inspector-in-charge of a check post or barrier detaining the goods under section 9 shall issue to the owner of the goods or his representative or the driver or the person-in-charge of the goods a receipt in Form 'T-3' specifying the description and quantity of the goods so detained and obtain an acknowledgement from such person or if such person refuses to give an acknowledgement, he shall record the fact of refusal in the presence of two witnesses.

(2) The security bond and personal surety bond under sub-section (1) of section 9 of the Act shall be obtained in Form 'T-4' and 'T-5' respectively.

6. Procedure for disposal of goods detained under section 9.—(2) The goods detained under sub-rule (1) of rule 5 and not released within 24 hours of the detention shall be sold by public auction in the following manner, namely:—

- (1) the taxing authority or the Inspector-in-charge shall cause to be published on the notice board of his office a list of goods detained and intended for sale with a notice under his signature, specifying the place where and the day and the hour of which the detained goods will be sold and shall display the copies of such lists and notice in more than one public places near the check post or barrier or other place where the goods were detained and also where they are intended to be sold/auctioned. Copies of the list and notice shall also be displayed in the offices of the Assistant Excise and Taxation

Commissioner or Excise and Taxation Officer Incharge of the district having jurisdiction. Ordinarily a 3 days notice in case of perishable goods and 7 days notice in other cases shall be given before the auction;

- (2) the auction shall be conducted by the taxing authority or the Inspector-in-charge of the check post or barrier, as the case may be. Intending bidders shall deposit earnest money, a sum amounting to 10 per cent of the estimated value of the goods which shall be determined by the taxing authority or the Inspector-in-charge of the check post or barrier, conducting the auction and indicated in the auction notice;
- (3) on the day, time and place, fixed for auction, the goods shall be put to auction in one or more lots as the taxing authority or the Inspector-in-charge of the check post or barrier conducting the auction may consider fit and shall be knocked down in favour of the highest bidder. The taxing authority or the Inspector-in-charge of the check post or barrier conducting the auction will have the right to reject the highest bid if it is below the estimated value determined without any reasons ;
- (4) where the highest bidder fails to pay the whole amount after deducting the earnest money at the fall of hammer, the goods shall be resold by auction at once and earnest money deposited by the defaulting successful bidder shall be forfeited to Government. The earliest money deposited by the unsuccessful bidder shall be refunded to them immediately after the auction is over.
- (5) the sale proceeds of such goods after defraying the expenses and after deducting the tax shall be paid to the owner of the goods or his representative or driver or the person-in-charge of the goods vehicle as the case may be, by the taxing authority or the Inspector-in-charge of the check post or barrier. The amount of tax deducted shall be deposited into the Government treasury under head "0045— Other Taxes and Duties on Commodities and Services—800 Other Receipts-01 Receipts from goods carried by Road Act."
- (6) In case the person to whom the balance of sale proceeds is to be paid under sub-rule (5) refuses to accept the payments or fails to collect the said payment from the taxing authority or the Inspector-in-charge of the check post or barrier, as the case may be, on the day of goods detained are disposed of, the balance of the sale proceeds shall be deposited in the Government treasury under Head "0045—Other Taxes and Duties on Commodities and Services—800 Other Receipts-01-Receipts from Goods carried by Road Act", under intimation to the said person. The amount so deposited shall be refunded by the Deputy Excise and Taxation Commissioner on the application made by such person in this behalf .
7. *Submission of memorandum of appeal under section 12.*—(1) Every appeal shall—
 - (a) be in writing and written on the standard water mark judicial paper;
 - (b) specify by the name and the address of the appellant;
 - (c) specify the date of the order against which it is made ;
 - (d) specify the authority against whose orders the appeal is made;
 - (e) contain a clear statement of facts and grounds of appeal briefly but clearly set out;
 - (f) state precisely the relief prayed for ; and
 - (g) be signed and verified by the appellant or by an agent duly authorised by him in writing in that behalf, in the following form, namely :—

"I....., agent appointed by the appellant named in the above memorandum of appeal do hereby declare that what is stated herein is true to the best of my knowledge and belief.

.....
(Signatures)"

19.

193

193

593

593

3

"r,
1a-2.

समाप्त ।

(2) The memorandum of appeal shall be accompanied by the order in original against which it is made or duly authenticated copy thereof, unless the omission to produce such order or copy is explained at the time of presentation of the appeal to the satisfaction of the appellate authority.

(3) The memorandum of appeal shall either be presented by the appellant or his agent to the appellate authority or be sent to the said authority by registered post.

8. *Summary rejection.*—(1) If the memorandum of appeal omits to state any of the particulars required under rule 7 or is not accompanied by the original or authenticated copy of the orders against which it is made, the appeal may be summarily rejected :

Provided that no appeal shall be summarily rejected under this sub-rule unless the appellant is given a reasonable opportunity to amend the memorandum of appeal.

(2) The appeal may also be summarily rejected on the grounds other than those specified in sub-rule (1) which the appellate authority may consider sufficient and which shall be reduced in writing by the appellate authority :

Provided that before an order summarily rejecting an appeal under this sub-rule is passed, the appellant shall be given a reasonable opportunity of being heard.

9. *Hearing.*—(1) (a) If the appellate authority does not reject the appeal summarily, it shall fix a date for its hearing. The appeal shall be decided after notice to the Taxing Authority concerned and after considering any representation that may be made by it either in person or through any of its subordinates, or through an authorised representative of the State Government and after giving an opportunity to the appellant of being heard in person or by a duly authorised agent. The appellate authority may, before deciding the appeal itself, hold such further enquiry or direct it to be held by the authority against whose decision the appeal has been preferred, as may appear necessary to the said appellate authority.

(b) The appellate authority may for sufficient reasons adjourn at any stage, the hearing of an appeal to a different time on the same day or any other day.

(2) If on the date and at the time fixed for hearing or on any other date or at any other time to which the hearing may be adjourned, the appellant does not appear before the said authority either in person or through an agent, the said authority either in person or through an agent, the said authority may, dismiss the appeal or may decide it *ex parte* as it may think fit :

Provided that if, within thirty days from the date on which the appeal was dismissed or decided *ex parte* under this sub-rule, appellant makes an application to the appellate authority for setting aside the order and the said authority is satisfied that the intimation of the date of hearing was not duly served on him or that he was prevented by sufficient cause for appearing when the appeal was called on for hearing, the said authority shall make an order setting aside the dismissal or *ex parte* decision upon such terms as it thinks fit, and shall appoint a day for proceeding further in hearing the appeal.

10. *Revision under section 13.*—(1) The Commissioner shall cause a notice of revision sent to the person-in-charge of the mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods were carried or the person-in-charge of the goods, as the case may be, in whose case the orders or proceedings are sought to be revised. A copy of the notice of revision shall also be sent to the taxing authority or Inspector-in-charge of a check-post or barrier whose orders or proceedings are sought to be revised and direct him to send his comments along with the relevant records to him within such time as is specified in the requisition.

(2) On receipt of records and comments under sub-rule (1) or if no comments are received within the time specified in the requisition, the Commissioner may proceed to hear the person-in-charge of the mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods were carried on the person-in-charge of the goods, as the case may be, and revise the orders for proceedings.

(3) The Commissioner may at any stage call for evidence which he may consider necessary for the disposal of the revision.

11. Refund of excess Tax Paid.—(1) An application, from a person-in-charge of a mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods were carried or the person-in-charge of the goods, as the case may be, for refund of excess paid shall be made to the taxing authority concerned and shall clearly and briefly specify the grounds on which the refund is claimed.

(2) The taxing authority shall enter the application for refund in the register maintained in Form 'T-6'.

(3) Where the taxing authority is satisfied that a refund is due, it shall record an order sanctioning the refund and shall issue a refund voucher in Form 'T-7', if the amount to be refunded does not exceed one thousand rupees. If the amount to be refunded exceeds one thousand rupees, taxing authority shall submit the records of the case together with his recommendations to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer, Incharge of the District in case the Officer who imposed the tax is subordinate to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer Incharge of the District :

Provided that in case the officer who imposed the tax or penalty is Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer Incharge of the District, the record of the case together with his recommendations shall be sent to the Deputy Excise and Taxation Commissioner concerned.

(4) The Assistant excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer, Incharge of the District or the Deputy Excise and Taxation Commissioner, as the case may be, to whom the record of the case and the recommendations under sub-rule (3) have been submitted, if satisfied that a refund is due, shall record an order sanctioning the refund and shall issue a refund voucher in Form 'T-7'.

(5) If the person-in-charge of a mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods were carried or the person-in-charge of the goods, as the case may be, desires payment by adjustment against any amount payable by him, the concerned authority shall issue a refund adjustment order in Form 'T-8':

Provided that the refund adjustment order shall be issued only by that authority who is competent to sanction, the refund according to the limits of amount specified in sub-rule (3).

12. Maintenance of Accounts and submission of returns.—The taxing authority and the Inspector-in-charge of a check-post or barrier in their respective offices shall maintain a Daily Collection Register in Form 'T-9' in which shall be recorded the particulars of every payment of tax or any other amount deposited under the Act.

(2) The tax or any other amount collected at the office of the taxing authority or at the check-post or barrier shall be deposited by the taxing authority, in the Government treasury twice a week :

Provided that when the amount of tax or any other amount collected exceeds one thousand rupees, the same shall be deposited on the day following the date on which the amount collected exceeded one thousand rupees.

99.

593

593

1593

593

3

or,
ila-2.

हयया।

(3) Every Treasury Officer shall send to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer Incharge of the district within the first week of each month, a statement of the amounts credited in the treasury under the Act and these rules during the preceding month.

(4) Every taxing authority and the Inspector-in-charge shall send a statement of the amount credited in the treasury under the act and these rules during the preceding month to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer, Incharge of the district in which the office of the taxing authority and the check-post or barrier is situated, on the first working day of each month in Form 'T-10'. The Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer, Incharge of the District will compile the statements and send the consolidated return to the Deputy Excise and Taxation Commissioner and the Excise and Taxation Commissioner every month within 10 days after the close of each month.

13. *Service of notice.*—(1) Notices under the Act or under these rules shall be served by one of the following methods:—

(a) by delivering by hand a copy of the notice to the addressee or to any other agent duly authorised in this behalf by him or to a person regularly employed by him in connection with his business or to any adult male member of his family residing with him;

or

(b) by registered post:

Provided that if upon an attempt having been made to serve any such notice by either of the above said methods the authority issuing the notice has reasonable grounds to believe that either the addressee is evading the service of notice or that, for any other reason which in the opinion of such authority is sufficient, the notice cannot be served by any of the above mentioned methods, the said authority shall after recording the reasons therefor cause the notice to be served by affixing a copy thereof at some conspicuous part of the place of the addressee's business or his residence last known to the said authority or of the place where the addressee is known to have carried on business or where the addressee is known to last kept his residence: or office, if any.

(2) The Officer serving the notice under sub-rule (1) shall return the original copy of the notice to the authority which issued the notice with a report endorsing and stating thereon that he has affixed the copy or notice and the name and address of the person, if any, by whom the building in which the addressee's business or residence or office was located was identified and in whose presence the copy was affixed.

14. *Fees.*—(1) The following fees shall be payable in court fee stamps:—

(a) on a memorandum of appeal—rupees ten;

(b) on an application for obtaining copies of record—rupee one per copy per document; and

(c) on any other application or petition for relief to any authority under the Act or these rules—rupee one.

(2) Any person-in-charge of the mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods are carried or the person-in-charge of the goods or a duly authorised agent by any of these persons, on making to the concerned authority a written application stamped with a court fee of the value of rupees five, may inspect the record maintained by such authority in respect of the tax or any other amount collected from him. A separate application shall be made for the inspection of each record or register.

(3) The court-fee of rupees five paid on the application shall cover the first hour of inspection only. For each subsequent hour or part of an hour an additional court fee stamps of rupees five must be supplied by way of payment before hand. No fresh application shall be demanded for the continuation of an incomplete inspection on the next working day.

(4) If the documents to be inspected relates to any previous year, search fee in the form of a court-fee stamp of the value of rupees five per application shall be charged.

(5) A person entitled under sub-rule (2) to the inspection of any document shall be granted copy of the same on his paying the charges in the shape of court-fee on the following scale on an application made in this behalf bearing a court-fee stamp of the value of:—

- (a) rupee one for every entry in a register;
- (b) two rupees for every notice issued by any taxing authority;
- (c) three rupees for every statement recorded in any enquiry held under the Act or these rules or any other document of which copies are possible to be supplied;
- (d) one rupee for every adverse order imposing tax or penalty under the Act; and
- (e) three rupees for every other order of penalty, appeal or revision.

(6) If the documents of which a copy is to be granted under sub-rule (5) relates to any previous year, search fee in the form of a court-fee stamp of the value of rupees two per application shall be charged.

(7) A copy to be granted under sub-rule (5) shall be prepared in the office of the concerned taxing authority, appellate authority and revisional authority.

15. *Repeal and savings.*—(1) The Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Rules, 1976 are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, any thing done or any action taken including any order made under the rules so repealed shall, to the extent of being consistent with the provisions of these rules, be deemed to have been done, taken or made under the provisions of these rules.

ORIGINAL/DUPLICATE/TRIPLICATE

FORM 'T-1'

PAYMENT RECEIPT

[See rule 4(4)]

PART-A

Name of the office.....	District.....	99.
Book No.....	Date.....	593
	Time.....	1593
1. Registration, if any, of the mechanical vehicle, cart or animal in or/on which the goods are carried or the name and address of the person-in-charge of the goods.....		593
2. (a) Full name and address of the consignor.....		3
(b) Full name and address of the consignee.....		or, 11a-2.
(c) Full name and address of the bidder.....		क्या 1
3. Description of goods carried.....		

4. Weight of the goods or No. of cases/boxes carried.....
5. (i) Place from where goods carried by road.....
 (ii) Destination.....
 (iii) Total kilometers covered/being covered.....
6. (i) Tax charged Rs.....
 (ii) Penalty/Fine/Auction Sale Money/Earnest Money.....
- Total : Rs.....

Signature of the person-in-charge
of the goods.

Signature of the taxing authority or Inspect-
or-in-charge of the check-post or
barrier.

PART-B

[Receipt in case of detained goods auctioned under section 9(2)]

1. Name and address of the owner of the goods/person-in-charge
carrying the goods.....
2. Particulars of goods detained.....
3. Date, time and place of detention of goods.....
4. Date of order of auction of goods.....
5. (i) Sale proceeds of the goods auctioned.....
 (ii) Expenses incurred on auction of goods detained.....
6. Net proceeds after deducting the expenses incurred on auction.....
7. Total kilometres covered/being covered.....
 Amount of tax charged.....
8. Balance amount, if any, payable to the owner or person-in-charge of the
goods.....

Signature of the person-in-charge/
owner of goods.

Signature of the taxing authority or Ins-
pector-in-charge of the check-post or
barrier.

A.B.C. or D Foil

FORM T-2

CHALLAN

[See rule 4(2)]

Invoice of the tax paid into

Treasury

Sub-Treasury

Branch State Bank of India
or

State Bank of

Patiala and credited under the head of account "0045—Other Taxes and Duties on Commodities

and Services—800 Other Receipts 01—Receipts from Goods Carried by Road Act” in respect of.....goods (Number of boxes/Kilograms/volume/quantity).....carried/being carried from.....to.....for distance of.....Kilometers by road.

By whom tendered	Name and address of the person-in-charge of the mechanical vehicle, cart or animal human agency or any other means in or on which the goods are carried/being carried or the name and address of the person-in-charge of the goods.	Vehicle No. used for carriage of goods	Payment on account of	Amount
------------------	---	--	-----------------------	--------

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

deposit of the:—
(i) Tax, or
(ii) Fine/auction sale Money/
Earnest Money.
(iii) Penalty.

Total ..

Dated.....the.....19

Amount received	Signature of depositor.	999.
Treasury Accountant	Treasury Officer.	
Treasurer	Sub-Treasury Officer	1593
Stamp of Treasury	Agent State Bank of India or	4593
	State Bank of Patiala	4593

Note.—(Foil “A” to be retained by the treasury, “B” to be sent by the Treasury Officer to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer, Incharge of the District and “C” and “D” to be given to the depositor).

FORM—T-3

[See rule 5(1)]

(In case of the detained goods receipt to be issued by the taxing authority or the Inspector-in-charge of the check post or barrier, as the case may be, to the owner or person in-charge of the goods).

No..... Book No.....

Name of the barrier or check post/office. District.....

/-
for,
mla-2.
हस्तात

1. Name and address of the owner of goods or his representative or the driver or the person-in-charge of the goods.
2. Description of the mechanical vehicle, cart, animal human agency or any other means in or on which the goods are being carried.
3. Description of the goods detained
4. Quantity of goods detained.

Signatures of the owner of the goods or his representative or the driver of the mechanical vehicle in which goods are carried or the person-in-charge of the goods in token of acceptance of the receipt of the detained goods.

Signatures of the taxing authority or the Inspector-in-charge of the check post or barrier.

Dated

(Where the owner of the goods or his representative or the driver or the person-in-charge of the goods refuses to accept the receipt of the detained goods).

1. Record the reasons, if any
2. Shri..... who is the owner or the representative of the owner of the goods, or the driver of the mechanical vehicle in which the goods are carried or the person-in-charge of goods has refused to accept the receipt of the detained goods of the description and quantity stated above in the presence of.....

(1) (Name) Shri.....

Address.....

(2) (Name) Shri.....

Address.....

Name in full and signature of the above mentioned witnesses:—

Signature of the taxing authority, or the Inspector-in-charge of the check post of Barrier.

1.

2.

FORM T-4

SECURITY BOND TO BE FURNISHED BY THE OWNER OF THE GOODS/DRIVER OR OTHER PERSON-IN-CHARGE OF THE GOODS, VEHICLE OR CART OR ANIMAL/VESSEL

[See rule 5(2)]

Before the taxing authority or the Inspector-in-charge of the check post or barrier empowered under section 9 of the Himachal Pradesh (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1991,

No..... of 19 ..

.. Petitioner,

Versus

The State of Himachal Pradesh

.. Respondent,

SECURITY BOND EXECUTED IN FAVOUR OF THE GOVERNOR OF HIMACHAL PRADESH AND HIS SUCCESSORS IN OFFICE AND ASSIGNS

Whereas the taxing authority or Inspector-in-charge of the check post or barrier (name of the check post or barrier) or the officer empowered under section 9 of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1991 has directed the owner of goods/driver or other person-in-charge of the goods/vehicle or vessel in which goods are carried to furnish adequate security and in pursuance of such directions, I/We hereby personally undertake and bind myself/ourselves my heirs/our heirs and legal representatives to pay to the Government of Himachal Pradesh (hereinafter referred to as the Government), the sum of Rs. (Rupees.) and mortgage/charge the properties specified in the Schedule hereunto annexed for the payment of a sum of Rs. (Rupees.) to the Government and covenant that if penalty or other amount due under the said Act is paid this bond shall be void and of no effect otherwise, it shall remain in full force and effect.

In witness whereof I/We have hereunto affixed our hands and seal this..... day of..... 19..... at.....

Witnesses :

1.
Signature

Full address

2.
Signature

Full address

Signature

Note.—The Security Bond should be affixed with adhesive non-judicial Stamps of the value as prescribed under article 57 of the Indian Stamp (Himachal Pradesh Amendment) Act, 1969 (Act No. 16 of 1970).

SCHEDULE

(Give details of properties mortgaged/charged).

AND THESE PRESENTS ALSO WITNESSETH THAT the liability of the obligor hereunder shall not be impaired or discharged by reason of any forbearance, act or omission of the Government or for any time being granted or in indulgence shown by the Government or by reason of any change in the constitution of the obligor or in cases where the obligor is not an individual.

The Government agrees to bear the stamp duty, if any, chargeable on these presents.

IN WITNESS WHEREOF the obligor *has set his hand/*has caused these presents executed by its, authorised representatives, on the day, month and year above written.

Signed by the above-named obligor in presence of—

1.
2.

(Obligor's signature)

*Strike out which is not applicable.

or,
nla-2.

ख्या।

Accepted for and on behalf of the Governor, Himachal Pradesh by name and designation of the officer duly authorised in pursuance of Article 299 (1) of the Constitution of India to accept the Bond for and on behalf of the Governor of Himachal Pradesh.

In the presence of—

1.
2.

.....
(Name and designation of the Officer).

FORM T-5

PERSONAL/SURETY BOND

Personal bond to be executed by the owner of the goods or his representative, Driver or other person-in-charge of the goods vehicles or vessel on behalf of the owner of the goods.

[See rule 5 (2)]

Before the taxing authority or Inspector-in-charge of the check post or barrier, as the case may be, empowered under section 9 of the Himachal Pradesh (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1991.

No. 19

... Petitioner.

Versus

... Respondent.

The State of Himachal Pradesh

known all men by these presents that I/We (Full Name) (Full address) with Registration certificate No. (if any) an/are held and firmly, bond unto the Governor of Himachal Pradesh (hereinafter referred to as the 'Government' which expression shall, unless excluded by or repugnant to the context, includes his a successor-in-office and assigns) in the sum of Rs. (amount in figures and followed by amount in words) (hereinafter referred to as 'the said sum') to be paid to the Government as demanded, for which payment to be well and truly made, I/We bind myself/ourselves my/our heirs, executors administrators and local representatives by these presents ;

Whereas the above bounden has been required by the taxing authority or Inspector-in-charge of the check post or barrier in writing to furnish security for the said sum for the purpose of securing the proper payment of the tax/penalty payable by him/them under the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1991 (hereinafter referred to as the said Act) and indemnifying the Government against all loss, costs or expenses which the Government may in any way suffer, sustain or pay by reason of commission, default or failure or insolvency of the above bounden of any person or persons acting under or for him/them to pay such tax/penalty in the manner and by the time provided by or prescribed under the said Act;

Now the condition of the above written bond is such that if the above bounden, his/their heirs, executors, administrators and legal representatives or any person acting under or for all him/ them pays the full amount of tax/penalty payable by him under the said Act, in the manner and by the time provided by or prescribed under the said Act on demand by any authority appointed by the Government under section 7 of the said Act, such demand to be in writing and to be served upon the above bounden person/his/their heirs, executors, Administrators and legal representatives of any person acting under or for him/them in the manner provided by or prescribed under the said Act and shall also at all the times indemnifying and save harmless the Government from all and every loss/cost or expenses which has been or shall or may at any time, or times hereafter during the period in which the above bounden is held liable to pay the tax/penalty under the said Act, be caused by persons of any act, omission, default, failure or insolvency of the above bounden or of any person or persons acting under or for him/them, this obligation shall be void and of no effect, otherwise the same shall be and remain in full force and it is hereby further agreed that in the event of the death/partition/disruption/dissolution/winding up or the final cessation of the liability under the said Act or the rules made thereunder, of the above bounden this bond shall remain with the taxing authority or Inspector-in-charge of the check post or barrier for one year from the occurring of any of the events aforesaid for recovering any tax/penalty that may be payable by the above bounden or any loss/cost or expenses that may have been sustained incurred or paid by the Government owing to the act, omission, fault, failure or insolvency of the above bounden or any person or persons acting under or for him/them of the above bounden's heirs, executors, administrators and legal representatives and which may not have been discovered until after the above bounden's death/partition/disruption/dissolution/winding up or final cessation of his/their liability under the said Act or the rules made thereunder:

Provided always that without prejudice to any other right or remedy for recovering the tax/ penalty, loss or damage as aforesaid, it shall be open to the Government to recover the amount payable under this bond as arrears of land revenue or fine imposed by any authority under the said Act.

I In witness whereof the said.....(Full name).....
has hereunto set his hand thisday of.....
.....signed and delivered.....by the above-named in the presence of.....
.....signature.....status.

199.

Witness:—

593

1.....
(Signature with address).

593

2.....
(Signature with the address).

4593

SURETY BOND

593

We (I)
(Name and full address of the sureties)

3

hereby declare ourselves sureties for the above bounden and guarantee that he/they shall do and perform all that he/they has/have above undertaken to do and prefer, and in case of his/their omission, default or failure therein, we hereby bind ourselves jointly and severally to forfeit to the Government of the Himachal Pradesh (hereinafter referred to as the 'Government'), which expression shall unless excluded by or repugnant to the context includes his successor-in-office and assigns, the sum of rupees.....(amount in figures followed by amount in words) hereinafter referred to as the said sum in which the above bounden has bound himself or such other lesser sum as shall be deemed to be sufficient by the taxing authority or Inspector-in-charge of the check post or barrier in writing to recover any amount of tax/penalty payable by

for,
nla-2.

हस्ता

the above bounden and remaining unpaid and also to recover any loss, damages, cost or expenses, which the Government may sustain, incur or pay by reason of which such omission, default or failure.

And we agree that the Government may without prejudice to any other right or remedies of the Government recover the said sum from us, jointly and severally, as an arrears of land revenue.

And we also agree that neither of us shall be at liberty to terminate this suretyship except upon giving to the taxing authority or Inspector-in-charge of the check post or barrier six calendar months notice in writing of his intention so to demand out/joint and several liability under the bond shall continue in respect of all acts, omissions, defaults, failures and insolvencies on the part of the above bounden until the expiration of the said period of six months.

Signature of sureties in presence of witness.

1.....(Name and complete address of the witness).

2..... (Signature).

Present Address :

Signature.....

Permanent Address

REGISTER OF APPLICATION FOR REFUND

[(See rule 11 (2))]

Year.....district.

1. Serial No.
2. Name and address of the applicant.....
3. Registration number of the mechanical vehicles, if any.
4. Date of application for refund.
5. Date of order of imposing tax or penalty or where an appeal was preferred, the date of passing of order by the appellate authority.....
6. Period for which refund is claimed.....
7. Amount of refund applied for.....
8. Amount, if any, ordered to be refunded.....
9. Name and designation of the officer allowing the refund.....
10. Method of refund.....
11. Number and date of issue of refund voucher or refund Adjustment order.....
12. Signatures of the Officer issuing the order.....
13. RDate of encashment.....
14. emarks.....

FORM T-7
REFUND VOUCHER

[See rule 11(3)]

Book No..... Voucher No..... Book No..... Voucher No.....

Government of Himachal Pradesh

Refund Order

Order for refund of tax or penalty

Refund payable to.....
Tax/Penalty realised *vide* Receipt in-form 'T-1' or Challan
in-form 'T-2'.....

(No. and date).

Date of order directing refund
Amount of refund.....
Number in Daily Collection Register showing collections
of amount regarding which refund is made.....

Date of deposit of amount.....

Name of Treasury/SubTreasury in which deposited.....

Total amount deposited out of which refund is ordered.

Signature of the taxing authority/Assistant Excise and
Taxation Officer, Incharge of the District/Deputy
Excise and Taxation Commissioner.

Signature of receipt of the Voucher
Date of encashment in the State Bank of India/State
Bank of Patiala.....

NOTE:—A note to this effect has been kept in the Daily
Collection Register to avoid double payment.

Refund Order

Order for refund of tax or penalty
Payable at the State Bank of India/
State Bank of Patiala within three
months of the date of issue.

To
The Officer Incharge,
State Bank of India/State Bank of
Patiala.

1. Certified that with reference to
the tax/penalty realised *vide* Receipt
in Form 'T-1' or Challan in-Form
'T-2'.....

(No. and Date)

2. Certified that the tax/penalty con-
cerning which this refund is or-
dered has been credited in the
treasury on.....
under the head.....

3. Certified that no refund order
regarding the sum now in ques-
tion has previously been issued
and this order of refund has been
entered in register of application
for refund under my signatures.

4. Please pay to Shri.....
.....(Name of claimant),.....
Rs.....(Rupees.....
on account of the above refund.

Place.....
Date.....

(Signature with seal)
Taxing authority/Assistant Excise
and Taxation Commissioner or the
Excise and Taxation Officer, Incharge
of the District/Deputy Excise and
Taxation Commissioner.

for,
nla-2.
हस्ताक्षर

(Signature with seal)

Taxing authority/Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer, Incharge of the District/Deputy Excise and Taxation Commissioner.

Received payment
Rs. only.
Claimant's signatures
Signature of the Officer Incharge of the Bank.

Date.....

Date

FORM T-8

REFUND ADJUSTMENT ORDER

[See rule 11 (5)]

Book No.....

Refund voucher No

To

.....
.....

1. Certified with reference to tax/penalty payment records of the person-in-charge of a mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods are carried or the person-in-charge of the goods (Name).....date and page No. of Daily Collection Register in Form T-9, that a refund of Rs.....(in figures) rupees.....
.....(in words) is due to (Name).....

2. Certified that the tax/penalty concerning which this refund is allowed has been credited into the Treasury.

3. Certified that no refund voucher regarding the sum in question has previously been granted and this order of refund adjustment has been entered in the register under my signatures.

4. This refund will be adjusted towards the amount of tax/penalty due from the said person for the carriage of goods (weight, volume and value/quantity).....
.....to be carried by him on.....(date) from.....
.....to.....by road.....kilometers.

The above-named person shall carry this order along with the goods aforesaid to be carried on.....(date).....in mechanical vehicles, cart or animal.....No.....
if any.....

(Signature).....

Tax Authority/Assistant
Excise and Taxation Commissioner
or the Excise and Taxation Officer,
Incharge of the District/Deputy
Excise and Taxation Commissioner.

(Seal of the Authority signing the order)

Dated.....

FORM T-9

DAILY COLLECTION REGISTER

[See rule 12 (1)]

Name of the office..... District.....

Date	Name and address of the person-in-charge of the mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods carried or the person-in-charge of the goods	Number and date of the payment receipt in Form T-1 or challan in-form T-2	Registration No. if any, of the mechanical vehicle cart or animal in or on which the goods are carried
------	--	---	--

1	2	3	4
---	---	---	---

Description of goods carried	Weight of the goods or No. of cases/boxes carried	Tax
------------------------------	---	-----

5	6	7
---	---	---

999.

Penalty	Total	Amount deposited in the treasury and treasury challan No. & Date	Remarks
---------	-------	--	---------

1593

1593

8	9	10	11
---	---	----	----

4593

593

REGISTER IN FORM-T-10

3

[See rule 4 (6)]

Sl. No.	Name of consigner	Name of consignee	Name of the Driver and mechanical vehicle No.	Time of crossing at the check post or barrier or place of inspection
---------	-------------------	-------------------	---	--

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

/-
for,
mla-2.

रुपया 1

Description of the goods	Weight/Quantity of goods	Value of the goods	Amount of tax or penalty paid
6	7	8	9
Receipt in-Form T-1 or Challan in Form T-2 (No. and date) along with the name of the district, place and the check-post or barrier of penalty/exit			Remarks
10			11

By order,

Sd/-

Financial Commissioner-cum-Secretary.